# <u>प्रेस नोट</u>

## माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी का दो-दिवसीय दीव दौरा संपन्न

दीव, 21 अप्रैल,2018.

माननीय प्रशासक प्रफुल पटेल,दमण-दीव के माननीय सांसद श्री लालूभाई पटेल एवं दीव जिला के मछुआरे भाईयों के आमंत्रण पर माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह का दीव में दो दिनों के लिए आगमन हुआ था।

माननीय गृह मंत्री दिनांक 20/04/2018 को अपराह्न 4:00 बजे दीव एयरपोर्ट पर पहुँचे जहाँ सांसद महोदय, प्रशासक महोदय, प्रशासक के सलाहकार, पुलिस अधीक्षक ने उन्हें स्वागत किया। वहाँ से गृह मंत्री जी घोघला सर्किट हाऊस गए, जहाँ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं नगरपालिका तथा जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों से मुलाकात कर प्रदेश का हाल जाना। इसके पश्चात गृह मंत्री जी ने जिले में तैनात सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर दीव के विकास कार्यों पर चर्चा की। यहाँ प्रशासन के विकास कार्यों का विवरण एक फिल्म द्वारा दिखाया गया, जिसे माननीय गृह मंत्री जी ने सराहा।

इसके पश्चात माननीय गृह मंत्री ने विभिन्न स्थलों जैसे कि दीव किला, नायड़ा गुफा एवं खुकरी मेमोरियल का दौरा किया एवं प्रशासन की विकास योजनाओं का बारिकी से जाना।

दिनांक 21/4/2018 को पूर्वाह्न 10.00 बजे वणांकबारा में आयोजित समारोह स्थल पर सबसे पहले माननीय गृहमंत्री का पुष्पहार से औपचारिक सम्मान स्वागत के बाद प्रशासक महोदय ने गृह मंत्री, सांसद, जिला पंचायत एवं नगरपालिका के अध्यक्ष, स्वतंत्रता सेनानियों, राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारियों, प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, प्रेस एवं मीडिया से आए हुए प्रतिनिधियों का शाब्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए सुवर्ण अवसर है कि दोनों संघ प्रदेशों के विकास पर विशेष ध्यान देने वाले हमारे प्रिय गृह मंत्री आज हमारे बीच उपस्थित हैं और हमें उनका स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सिलवासा और दीव दो शहरों को स्मार्ट सीटी के रूप में घोषणा करने में आदरणीय गृह मंत्री जी का अतुलनीय योगदान है। यहां के विकास के लिए गृह मंत्री जी ने 1000-1200 करोड़ रूपये आबण्टित किये। दीव में घोघला हो, नागवा हो, चक्रतीर्थ हो, उनका सौंदर्यीकरण गृह मंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। गृह मंत्री जी की कोशिश के परिणामस्वरूप संघ प्रदेश में डीजल पर वैट में छूट दी गई है। दीव केवल दिव्य भूमि नहीं,

बल्कि भव्य भूमि है। अभी तक दमण एवं दीव में जो भी विकास हुए हैं, वो सब गृह मंत्री जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से हुआ है।

माननीय सांसद ने गृह मंत्री जी का शाब्दिक स्वागत करते हुए कहा कि गृह मंत्री जी ने बड़े दिल और शौक के साथ दीव में अपना पांव रखा। दीव छोटा है, पर दीववासियों का दिल बड़ा है और माननीय गृह मंत्री ने दीव आने के आमंत्रण को स्वीकार कर अपनी दरियादिली का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि दमण दीव तथा दादरा नगर हवेली के विकास हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी हमेशा सोचते रहते हैं। दीव के बहुत सारे मछुआरे भाईयों को पाकिस्तानी जेल से छुड़वाया गया है। बाकी बचे मछुवारे भाईयों को शीघ्र छुड़वाया जाएगा। जो मछुवारे भाई पाकिस्तान की जेल में हैं, उनके परिवार को प्रतिदिन 287 रूपये की सहायता दी जा रही है। वणांकबारा - कोटड़ा का ब्रिज बनाये जाने का प्रस्ताव है। इससे सोमनाथ पाटन के लिए 15 से 20 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। हमारे संघ प्रदेश में मेडिकल कॉलेज बनेगा, जिससे गरीब परिवार के बच्चे डॉक्टर बन पाएंगे। दादरा नगर हवेली में एक यूनिवर्सिटी बनाये जाने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही देलवाड़ा से वेरावल तक ब्रॉड गेज रेलवे लाईन, गैस पाईप लाईन, सरदार सरोवर से पानी के लिए भारत सरकार से सहयोग मिल रहा है। मछुवारे भाईयों को 05 साल के लिए डीजल में सब्सिडी दी गई है।

बेटी बचाओ - बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत किट्सय और प्रमाणपत्र तथा मछुआरों के लिए आपदा आलर्ट ट्रान्समिशन मशीन वितरण के पश्चात माननीय गृह मंत्री ने अपना उद्बोधन आरंभ करते हुए कहा कि मेरी एक तरफ अगाध जल समूह और दूसरी तरफ अपार जन समूह है। दोनों मिलकर आज एक अद्भूत छटा का दिग्दर्शन करा रही हैं। यहां के लोगों का दिल भी समुद्र की तरह ही विशाल है। इसी खुबसूरती से प्रभावित होकर माननीय प्रधानमंत्री जी दमण-दीव को भारत का ही नहीं, बल्कि विश्व का एक खुबसूरत नगरी बनाना चाहते हैं और हमें पूरा विश्वास है कि उनका यह सपना जरूर पूरा होगा। आगे उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम भारत जैसे देश में जन्म लिया हैं, जिसे दुनियां का सबसे धनवान देश माना जाता था। भारत को पहले सोने की चिड़िया कहा जाता था। हमारे ऋषि-मुनि, पूर्वज केवल अपने परिवार को ही परिवार नहीं मानते थे, बल्कि विश्व के सभी लोगों को अपने परिवार का हिस्सा मानते थे। वसुधैव कुटुम्बकम में उनका विश्वास था। हम पुन: उसी विचारधारा को आत्मसात कर **सबका साथ, सबका विकास** के साथ आगे बढ़ते हुए उसी पुराने भारत, स्वतंत्र और स्वावलंबन भारत का निर्माण करना चाहते हैं। इसीलिए स्वाभिमान योजना की शुरूआत

की गई है। प्रधानमंत्री की स्वच्छता योजना और शौचालय निर्माण की योजना के पीछे यह उद्देश्य है कि गरीब से गरीब परिवार भी गंदगी की वजह से बीमार न पड़े तथा देश की माँ-बेटियों का सम्मान बरकरार रहे। सौभाग्य योजना के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान के हर घर में बिजली पहुंचाना, हर सड़क पर एलईडी बॉल्ब लगाना सरकार का लक्ष्य है। पीएम ने गरीब से गरीब लोगों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा बीमा योजना और जीवन ज्योति योजना की शुरूआत की है, जिसमें महीने में एक रूपया और सालाना 330 रूपया प्रीमियम देकर बीमा लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन 1942 में आरंभ हुआ था और भारत को 1947 में आज़ादी मिल गई। यदि 05 साल में गुलाम भारत स्वतंत्र भारत बन सकता है, तो 05 वर्ष में हम एक नए भारत का निर्माण भी कर सकते हैं। गृह मंत्री ने संघ प्रदेश प्रशासन के प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के कार्यो की भूरि-भूरि प्रशांसा करते हुए कहा कि ये प्रशासक नहीं बल्कि कुशल प्रशासक हैं। प्रफुल पटेल ने दीव में कई सारे विकासीय कार्यों को पूरा किया है। हवाई कनेक्टिवीटी, 50 मीटर पाईल जेटी, जॉगिंग पार्क का निर्माण एवं अन्य कई सारे प्रोजेक्ट्स इसके उदाहरण हैं। अभी कई सारे कार्यों को जैसे जलंधर, घोघला एवं नागवा बीच का सौंदर्यीकरण, सिवरेज नेटवर्क सिस्टम का निर्माण, नए सर्किट हाउस बनाना, कमलेश्वर एवं झांपा में नए स्कूल भवनों का निर्माण कार्य पूरा किया जाना है। आज इन सभी कार्यों की शुरूआत हो गई है। यहां पर मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज एवं दादरा नगर हवेली में एक यूनिवर्सिटी बनाये जाने का प्रस्ताव है। इन तमाम कार्यों से हम इस प्रदेश को देश का सबसे अव्वल प्रदेश बनाना चाहते हैं।

इसके साथ ही कार्यक्रम संपन्न हुआ और माननीय गृह मंत्री दिल्ली रवाना हो गए। दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार एवं उनकी टीम के अथक परिश्रम तथा प्रशासक व प्रशासक के सलाहकार श्री एस. एस. यादव के मूल्यवान मार्गदर्शन से दीव वणांकबारा में गृह मंत्री के कार्यक्रम का सफल आयोजन हो पाया।

~~~~~~~~~
~~~~~~~~~